Acknowledgement

मैं आदरणीय गोविन्द मिश्र के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ और उनके प्रति अपार श्रद्धा की अनुभूति करती हूँ कि उन्होंने अपने अत्यन्त व्यस्त समय में मेरे सभी पत्रों का विस्तार से उत्तर दिया, मेरी समस्याओं को सुलझाया, महत्वपूर्ण जानकारियां दीं और उनसे मुलाकात होने पर उनका सौहार्दपूर्ण व्यवहार मेरे मन को अभिभूत कर गया । उनके सहयोग के लिए मैं सदैव उनकी आभारी रहूँगी ।

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के हिन्दी विभागाध्यक्ष डा0 पाठक जी को उनके सहयोग तथा मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद देती हूँ ।

मैं, इस शोध प्रबन्ध की निर्देशिका आदरणीया डा0 प्रेमलता बाफना, रीडर, हिन्दी विभाग, म0 स0 विश्वविद्यालय के स्नेह, सहयोग, प्रोत्साहन एवं मार्ग दर्शन के लिए उन्हें शत-शत नमन एवं आभार ।

मैं उन विद्वानों तथा महत्वपूर्ण ग्रन्थों और पत्र - पत्रिकाओं की ऋणी हूँ जिन्होंने इस शोध कार्य में मुझे सहयोग दिया अतः उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना मेरा पुनीत कर्तव्य हो जाता है । मैं, उन सभी सुधीजनों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मेरे शोध कार्य में सहयोग और प्रोत्साहन दिया ।

मैं अपने पति श्री विजय कुमार त्रिपाठी की हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मेरी हर सम्भव सहायता की और समय-समय पर प्रोत्साहित कर साहस और लगन के साथ यह शोध प्रबन्ध पूरा करने के लिए प्रेरित किया । उनके सहयोग के बिना यह कार्य संभव नहीं था ।

मैं, श्री डी0 एस0 गोयल, प्रभू नगर, आगरा - 1 की भी आभारी हूँ जिन्होंने अल्प समय में इस शोध प्रबन्ध को टंकण कर इस रूप में प्रस्तुत किया है ।

इस शोध प्रबन्ध को मैंने यथा साध्य प्रामाणिक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है फिर भी यदि कहीं त्रुटियां दृष्टिगत हों तो उसे मेरे अज्ञान का ही परिणाम मानकर सुधीजन क्षमा करें ।

एवमस्तु ।

प्रमिला वि. त्रिपाठी

(श्रीमती प्रमिला विजय त्रिपाठी)

बड़ौदा
जून, 1994